भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 364
04 फरवरी 2025 को उत्तरार्थ

विषय: जलवायु-सह कृषि प्रथाएं
364. श्री ई टी मोहम्मद बशीर:
क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) सरकार द्वारा जलवायु-सह कृषि प्रथाओं के सहायतार्थ की गई नई पहलों का ब्यौरा क्या है; और
(ख) सरकार बेमौसम बारिश और सूखे जैसी चरम मौसम स्थितियों से प्रभावित किसानों की किस तरह से सहायता कर रही है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) एवं (ख): सरकार देश में जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए), जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के अंतर्गत आने वाले मिशनों में से एक है। इस मिशन का उद्देश्य भारतीय कृषि को बदलती जलवायु के प्रति अधिक लचीला बनाने के लिए कार्यनीतियों को कार्यान्वित करना है। कृषि क्षेत्र में प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन (एनएमएसए) के तहत कई योजनाएं भी शुरू की गई हैं। प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों यानी ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता को बढ़ाती है। वर्षा आधारित क्षेत्र विकास (आरएडी) योजना को एनएमएसए के एक घटक के रूप में कार्यान्वित किया गया है तथा यह उत्पादकता बढ़ाने तथा जलवायु परिवर्तनशीलता से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) पर केंद्रित है। मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना, मृदा स्वास्थ्य और इसकी उत्पादकता में सुधार के लिए जैविक खादों और जैव-उर्वरकों के साथ-साथ द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्वों सहित रासायनिक उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के माध्यम से एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देने में राज्यों की सहायता करती है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन, कृषि वानिकी और राष्ट्रीय बांस मिशन भी कृषि में जलवायु लचीलापन को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के साथ-साथ मौसम सूचकांक आधारित पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं और प्रतिकूल मौसम की घटनाओं से होने वाली फसल हानि/क्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर फसल के नुकसान हेतु एक व्यापक बीमा कवर प्रदान करती है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) जलवायु-लचीली कृषि को बढ़ावा देने, जलवायु-स्मार्ट तकनीकों और प्रौद्योगिकियों पर किसानों को शिक्षित और प्रशिक्षित करने के लिए जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार (एनआईसीआरए) नामक एक प्रमुख नेटवर्क परियोजना प्रचालित कर रही है। एनआईसीआरए के तहत केवीके के माध्यम से किसानों के खेतों में जलवायु के अनुकूल किस्मों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया जाता है। जलवायु अनुकूल पद्धतियों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों को शिक्षित करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। किसानों को मौसम संबंधी परामर्शिका भी प्रदान की जाती है क्योंकि आईसीएआर भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से ग्रामीण कृषि मौसम सेवा कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को एग्रोमेट सलाह जारी करता है।

*****